भजन

पिया हो पिया – मोमिन का तुम ही ईमान
पिया बिना कुछ और न चाहें,
मोमिन की यहीं पहचान
1– लाख विघन हों ईमान न टूटे,
दुख में भी पिया का संग न छुटे
तुमसे पिया है निसवत हमारी,
लाड तुम्हारे गए जान हो पिया..
2– ए ही ईमान तो बल है हमारा,
जिसे आजमाने को खेल में उतारा
तुमने पिया पहचान कराई,
शक दिए सब ही भान हो पिया...
3– दुनिया में मोमिन नाम धराये,
धाम के वायदे सब ही भुलाये
हाथ तुम्हारे सब है धनी मेरे,
ना लो हमारा इम्तहान हो पिया..
4– जो भी धनी पे ईमान है लाया,
घर का अखण्ड सुख उसने है पाया
आए धनी मेरे धाम से सब विध,
कायम अर्श सुभान हो पिया...